पश्चिमी नेपाल के व्यास घाटी के 'शौका' जनजाति का सामाजिक - मानवशास्त्रीय अध्ययन

Socio-Anthropological Study of the 'Shauka' Tribe of Vyas Valley in Western Nepal

कुमाऊँ विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र विषय में

शोध-उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध प्रबन्ध

2002

शोध निर्देशक :

डॉ0 भगवान सिंह बिष्ट

पी-एच.डी., डी. लिट्.,

उपाचार्य, समाजशास्त्र विभाग,

एम.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

हल्द्वानी (नैनीताल) 263 141

शोधार्थी :

दिनेश व्यास

समाजशास्त्र विभाग,

एम.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

हल्द्वानी (नैनीताल) 263 141

National Social Science Documentation
Library NASSDOC
Acc. No 38836
Date 4.11.03
I.C.S.S.R., New

डा0 भगवान सिंह बिष्ट,
पी-एच0डी0, डी0 लिट्0,
उपाचार्य

स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध,
समाजशास्त्र विभाग,
एम.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
हल्द्वानी – 263 141
नैनीताल।

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री दिनेश व्यास ने समाजशास्त्र विषय में पी-एच0डी0 उपाधि हेतु शोध प्रबन्ध "पश्चिमी नेपाल के व्यास घाटी के 'शौका' जनजाति का सामाजिक–मानवशास्त्रीय अध्ययन" मेरे निर्देशन में नियमित रूप से निर्धारित अवधि तक शोधरत् रहकर पूर्ण किया है। शोध प्रबन्ध में शोधार्थी द्वारा विभिन्न श्रोतों से संकलित प्राथमिक एवं द्वैतीयक सूचनाओं को प्रस्तुत कर शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किये गये हैं जो शोधार्थी के स्वयं के शोध सम्बन्धी प्रयासों का परिणाम है। शोध सामग्री एवं शोध निष्कर्षों के सम्बन्ध में शोधार्थी का स्वयं का अकादमिक दायित्व एवं अधिकार है।

दिनांक : 24-12-2002

24/12/2002
(डा0 भगवान सिंह बिष्ट)

Dr. B S Bisht
READER
Post-Graduate Department of Sociology
Govt. M B P G College
HALDWANI (Nainital) -263139

स्वकथन

मानव समाजों के विभिन्न अंग के रूप में जनजातीय समुदायों की अपनी एक विशिष्ट सामाजिक सांस्कृतिक एवं आर्थिक पहचान रही है। इन्ही विलक्षणताओं के कारण जनजातीय समुदाय सदा से समाज वैज्ञानिकों के लिए आकर्षण का विषय रहे हैं। आज भी विश्व में अनेकानेक ऐसी जनजातियां हैं, जो समाज वैज्ञानिकों की शोध परिधि से परे हैं। पश्चिमी नेपाल की व्यास घाटी में आवासित शौका जनजाति इनमें से एक है। इस जनजातीय समुदाय के बारे में आज तक भी तथ्य युक्त सन्दर्भ उपलब्ध नहीं हैं। सामाजिक मानवशास्त्रीय अनुशासन में ज्ञान की इस कमी को दूर करने के उद्देश्य से प्रस्तुत शोध सामग्री एवं शोध निष्कर्ष निःसन्देह सामजिक मानवशात्रीय अध्ययन क्षेत्र में एक बौद्धिक योगदान सम्भव हो सकेगा।

वैज्ञानिक पद्धतियों के आधार पर प्राप्त प्राथमिक सूचनाओं को व्यवस्थित रूप में शोध प्रबन्ध के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्राप्त सूचनाओं एवं शोध निष्कर्षो को व्यवस्थित प्रस्तुतिकरण के उद्देश्य से आठ अध्ययों में विभक्त किया गया है। प्रथम अध्याय में शौका समुदाय का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में वर्णन प्रस्तुत किया गया है। द्वितीय अध्याय में अध्ययन में प्रयुक्त विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या करते हुए सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन एवं विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। तृतीय अध्याय में अध्ययन कार्य में प्रयुक्त की गयी अध्ययन पद्धति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। चतुर्थ अध्याय में पश्चिमी नेपाल की व्यास घाटी में आवासित शौका समुदाय की आवासीय दशाओं का उल्लेख किया गया है। पंचम अध्याय में शौका समुदाय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के विभिन्न स्वरूपों को चित्रित किया गया है। षष्टम् अध्याय में शौका समुदाय की अर्थव्यवस्था का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विवेचन किया गया है। सप्तम अध्याय में अन्तःजनजाति, अन्तर्जनजातीय एवं अन्तराजनजातीय सम्बन्धों का विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए शौका समुदाय को सम्पूर्ण समाज की समग्रता में समझने का प्रयास किया गया है। अष्टम अध्याय में सम्पूर्ण शोध प्रतिवेदन का निष्कर्ष एवं सामान्यीकरण प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्तुत शोध कार्य को सम्पन्न करने में मुझे अपने निदेशक परम् श्रद्धेय डा0 भगवान सिंह बिष्ट, उपाचार्य, समाजशात्र विभाग, एम0बी0 राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय हल्द्वानी का कुशल एवं योग्य निर्देशन प्राप्त हुआ है। डा0 बिष्ट के कुशल निर्देशन की छत्रछाया में रह कर ही मैं अपने शोध कार्य को पूर्ण कर सका हूँ। उन्होने शोध कार्य की सम्पूर्ण अवधि में अपने व्यस्त क्षणों में से समय निकाल कर मेरा पथ प्रर्दशन कर अमूल्य सहयोग दिया। वस्तुतः शोध कार्य का सम्पूर्ण श्रेय उन्हीं को है। उनके इस सहयोग एवं मार्ग निर्देशन का मैं सदैव ऋणी रहूँगा।

मैं हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य श्रद्धेय प्रो0 एम0सी0 पाण्डे का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने महाविद्यालय में अध्ययन हेतु हमें हर सम्भव सहायता एवं सहयोग प्रदान किया। समाज शास्त्र विभाग के गुरूजन धन्यवाद के पात्र हैं। जिनके बौद्धिक अनुभवों का लाभ शोधकार्य के दौरान मुझे प्राप्त हुआ। हमारे विद्यालय के प्रवक्ता डा0 शम्भू पाण्डे, हिन्दी विभाग एवं डा0 योगेन्द्र सिंह, राजनीतिशात्र विभाग का भी मैं हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने सदैव मेरा उत्साहवर्धन किया। विभिन्न पुस्तकालयों के पुस्कालयाध्यक्ष एवं कर्मचारी भी धन्यवाद के पात्र हैं जिनसे मुझे अपेक्षित सहयोग प्राप्त हुआ।

मेरी गुरुमाता डा0 श्रीमती सरोजनी बिष्ट के सहृदय स्वभाव एवं मातृत्वसम अनुभूति ने मेरे उत्साह को निरन्तर एक विशिष्ट सहारे के रूप में सम्बल प्रदान किया। उनके इस व्यवहार के लिए धन्यवाद जैसा शब्द बहुत सूक्ष्म अभिव्यक्ति होगी।

उपर्युक्त शोध कार्य के दौरान मेरे पूज्य पिताजी श्री जसराज सिंह व्यास एवं पूज्या माता जी श्रीमती पुष्पा देवी व्यास का आशीर्वाद एवं प्रेरणा मुझे सदैव प्रेरित करती रही। मेरे बड़े एवं छोटे भाइयों का इस शोध कार्य को सम्पन्न कराने में विशेष सहयोग रहा। मैं विशेष रूप से अध्ययन क्षेत्र के ग्राम छांगरू एवं तिंकर वासियों का आभारी हूँ जिन्होंने मेरे इस अध्ययन को पूर्ण कराने में मुझे अनुभविक सहयोग प्रदान किया। उनके सहयोग के बिना इस शोध कार्य को सम्पन्न करना कठिन था। शोध कार्य को पूर्ण करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मेरे बहुत से मित्रों एवं सम्बन्धियों विशेष रूप से श्री रतन सिंह रायपा जी, ह्यूमन–इकोलॉजिस्ट, एथ्रोपोलॉजीकल सर्वे ऑफ इण्डिया, देहरादून के द्वारा किया गया उत्साहवर्द्धन स्मरणीय है, जिसके लिए मैं सदा उनका आभारी रहूँगा।

शोध प्रतिवेदन की 'प्रूफरीडिंग' में अपेक्षित सहयोग हेतु श्री कमल कान्त शर्मा, मुख्य उपसम्पादक, दैनिक उत्तर उजाला, हल्द्वानी एवं शोध प्रबन्ध को टंकित करने के लिए श्री ललित मोहन जोशी, बाराही कम्प्यूटर्स, टैगोर कालोनी, काठगोदाम के प्रति भी आभार ज्ञापित करता हूँ।

अन्त में मैं उन सभी समाजशास्त्रियों एवं विद्वान लेखकों के प्रति आभार ज्ञापित करना चाहूँगा जिनके संदर्भ ग्रन्थों, शोध प्रतिवेदनों, शोध निष्कर्षों एवं अवधारणाओं का प्रयोग मैंने अपने शोधग्रन्थ में किया है। उनके विचारों व रचनाओं से लाभान्वित होने के उपरान्त ही यह शोध कार्य पूर्ण हो पाया है।

दिनेश व्यास,
शोधकर्त्ता,
समाजशास्त्र विभाग,
एम.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
हल्द्वानी (नैनीताल) – 263141

अनुक्रमणिका

अध्याय		पृष्ठ संख्या
अध्याय-1	प्रस्तावना	1-16
	अध्ययन के उद्देश्य	3-4
	शौका जनजाति	4-15
	संदर्भ	16
अध्याय-2	अवधारणात्मक व्याख्या एवं साहित्य पुनरावलोकन	17-50
	जनजाति	17-20
	समाज	20-26
	संस्कृति	26-36
	साहित्य पुनरावलोकन एवं ज्ञान की वर्तमान स्थिति	36-43
	संदर्भ	44-50
अध्याय-3	शोध अभिकल्प एवं पद्धतिशास्त्र	51-62
	अध्ययन समग्र	52-54
	अध्ययन इकाइयों का चयन	54-55
	अध्ययन पद्धति, तथ्य संकलन की प्रविधि एवं उपकरण	56-58
	तथ्यों का वर्गीकरण एवं सारणीयन	58-59
	तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या	59-61
	संदर्भ	62
अध्याय-4	शौका समुदाय की आवासीय दशाएँ	63-88
	दार्चुला जिले में विद्यमान अवस्थापना सम्बन्धी सुविधाएँ	65-69
	'व्यास' गांव विकास समिति	69-76
	भौगोलिक बनावट	77-78
	जलवायु	78-81
	वनस्पति एवं वन्य जीव	81-83
	शौकाओं में प्रवर्जन प्रक्रिया	83-87
	संदर्भ	88
अध्याय-5	शौका समुदाय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन के विभिन्न स्वरूप	89-234
	परिवार संरचना : अवधारणात्मक विश्लेषण	92-98
	परिवार का स्वरूप	98-105

	रङ बङ अथवा रङ बङ च्यिम	105-112
	विवाह	112-121
	नारी की स्थिति	122-126
	शौका जीवन पथ के संस्कार	126-155
	उत्सव त्यौहार एवं रीतिरिवाज	156-168
	वेशभूषा	168-171
	आभूषण	171-172
	निषेध	173-174
	शौका बोली	174-178
	शौका विज्ञान	179-182
	मनोरंजन के साधन	182-185
	व्यवहार प्रचलन	185-192
	लोक कला एवं लोक साहित्य	192-232
	संदर्भ	233-234
अध्याय-6	शौका समुदाय की आर्थिक संरचना	235-263
	तिब्बत व्यापार	235-239
	वर्तमान व्यावसायिक स्थिति	240-243
	आय के प्राकृतिक स्रोत	243-244
	गैर पारम्परिक एवं आधुनिक आर्थिक स्रोत	244-245
	सम्पत्ति स्वामित्व	246-249
	आहार प्रकृति	249-255
	व्यय के प्रतिमान	255-258
	कृषि	258-259
	पशुपालन	260-262
	ऊनी वस्त्र उद्योग	262-263
अध्याय-7	अन्तः, अन्तर्जनजातीय एवं अन्तराजनजातीय सम्बन्ध	264-280
	अन्तः जनजातीय सम्बन्ध	267-271
	अन्तर्जनजातीय सम्बन्ध	271-275
	अन्तराजनजातीय सम्बन्ध	275-279
	संदर्भ	280
अध्याय-8	निष्कर्ष	281-294
	संदर्भ ग्रन्थ सूची	295-302
परिशिष्ट-अ साक्षात्कार-अनूसची		

तालिका – विवरण

अध्याय	तालिका संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1	1.1	पश्चिमी नेपाल की व्यास घाटी में आवासित शौका	6
	1.2	भारतीय क्षेत्र के व्यास घाटी में आवासित शौका	7
	1.3	चौंदास घाटी में आवासित शौका	7
	1.4	दारमा घाटी में आवासित शौका	8
	1.5	छांगरू एवं तिंकर ग्राम में आवासित कुल शौका जनसंख्या का विवरण	9
	1.6	शौका समुदाय की वर्तमान शैक्षिक स्थिति	14
3	3.1	अध्ययन समग्र की जनसंख्या का आयु एवं लिंग के आधार पर विवरण	53
	3.2	उत्तरदाताओं की आयु, लिंग एवं शैक्षिक स्थिति के आधार पर विवरण	55
4	4.1	जिला दार्चुला की भौगोलिक स्थिति	64
	4.2	जिला दार्चुला में उपलब्ध सुविधायें	66-67
	4.3	व्यास गांव विकास समिति का क्षेत्र विभाजन	70
	4.4	जलवायु के आधार पर शौका क्षेत्र की वनस्पति	81
5	5.1	परिवार के प्रकार	99
	5.2	परिवार के सदस्यों के आधार पर परिवार की आकृति	101
	5.3	औसत पारिवारिक आकृति तथा परिवार में सदस्यों की औसत संख्या	102
	5.4	शौका सम्बन्ध सूचक शब्द	187-189
6	6.1	शौका जनजाति की वर्तमान व्यावसायिक स्थिति	240
	6.2	शौका परिवारों की वार्षिक आयु का विवरण	242
	6.3	शौका परिवारों की सम्पत्ति का विवरण	248-249
	6.4	वस्तुएँ एवं उन पर औसत व्यय	256